पुस्तकालय

विश्वविद्यालय में **'श्रीअग्रदेवाचार्य ग्रंथागार'** के नाम से विशाल एवं समृद्ध पुस्तकालय भारत के प्रमुख पुस्तकालयों में परिगणित है, जिसमें लगभग 43 हजार ग्रंथ, 283 ऑडियो-विडियो सीडी और शताधिक नियमित पत्र-पत्रिकाएँ संरक्षित हैं। पुस्तकालय में विद्यार्थी एवं शोधार्थी प्रातःकाल से सायंकाल तक शान्त वातावरण में अध्ययन एवं शोधकार्य सम्पादित करते हैं। पुस्तकालय में कम्प्यूटराईज्ड कार्ड से पुस्तकें आवंटित की जाती हैं।

'ई-ग्रंथालय' नामक सॉफ्टवेयर से विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा अध्यापकों को पुस्तकों का आदान-प्रदान किया जाता है तथा पुस्तकों का सूचीकरण कार्य भी इसी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाता है। पुस्तकालय में भारतवर्ष के विभिन्न संस्कृत विश्वविद्यालयों, संस्थानों, अकादमियों से संस्कृत विषय में प्रकाशित पुस्तकें संगृहीत हैं, जो इस पुस्तकालय की विशिष्टता है तथा अन्य पुस्तकालयों से इसकी समृद्धता का प्रदर्शन करती हैं। पुस्तकालय को शीघ्र ही सम्पूर्ण रूप से कम्प्यूटरीकृत तथा वातानुकूलित बनाया जा रहा है।

ग्रन्थालय के साथ ही यहाँ शोधार्थियों एवं छात्रों हेतु वाचनालय की भी व्यवस्था है। शोध विद्यार्थियों हेतु 20 शोध केबिन उपलब्ध हैं तथा लगभग 250 छात्रों की बैठक व्यवस्था है।

बुक बैंक- केन्द्रीय पुस्तकालय में निर्धन छात्र-छात्राओं हेतु बुक बैंक भी स्थापित है। जिसके माध्यम से छात्रों से पुरानी पुस्तकें प्राप्तकर उनका रिकॉर्ड संधारित किया जाता है और आवश्यकतानुसार निर्धन छात्रों को पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाती हैं।

प्रभारी

डॉ. रामेश्वरनाथ द्विवेदी
सहायक आचार्य
9413842030